नईदुनिया

भारतीय धनाढ्यों का डालर-आधारित निवेशों की ओर रुझान

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल के दबाव ने बनाई स्थिति

नई दिल्ली

भारतीय धनिक परिवारों और फैमिली आफिसों के निवेश के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा जा रहा है। डालर और यूरो के मुकाबले रुपये में लगातार आ रही गिरावट के कारण अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने और बढ़ाने के लिए अब वे डालर से जुड़ी परिसंपत्तियों और विदेशी निवेश को तरजीह दे रहे हैं।

पहले ये निवेशक मुख्य रूप से घरेलू शेयर बाजार, सावधि जमा और रियल एस्टेट जैसे विकल्पों में पूंजी लगाते थे। जानकारों का कहना है कि यह केवल मुद्रा बाजार की अस्थिरता के जोखिम से बचने का तरीका नहीं है, बल्कि लंबे समय के लिए पूंजी लगाने की एक सोची-समझी और स्थायी रणनीति है। पीएल वेल्थ के एक प्रमुख अधिकारी (प्रोडक्ट ऐंड फैमिली आफिस) के अनुसार यह कोई अल्पकालिक बदलाव नहीं है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बाजार से निकासी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के दबाव जैसे कारक इस दीर्घकालिक रुझान को और मजबूत कर रहे हैं। हाल के वर्षों में डालर के मुकाबले रुपये में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले दो सालों में 14 फीसदी से अधिक गिर चुका है। वहीं यूरो की तुलना में यह पिछले 12 महीनों में 7 फीसदी से अधिक और दो सालों में लगभग 16 फीसदी तक गिरा है। इस अस्थिरता ने निवेशकों को अपनी पूंजी की सुरक्षा और वृद्धि के लिए नए रास्ते तलाशने पर मजबूर किया है।

धनाढ्य निवेशक अब लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) और गुजरात में स्थित गिफ्ट आईएफएससी जैसे माध्यमों का उपयोग करके अपनी पूंजी सीधे विदेश में लगा रहे हैं। यह भी बताते हैं कि अधिक से अधिक फैमिली आफिस भारतीय रिजर्व बैंक से विदेशों में फैमिली आफिस शुरू करने की मंजूरी मांग रहे हैं, जिसका उद्देश्य विनियमित संस्थाओं के माध्यम से विदेशी पूंजी लगाने का एक दीर्घकालिक और सुरक्षित रास्ता तैयार करना है। वे बताते हैं कि उच्च नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों (एचएनआई) और फैमिली आफिसों के बीच डालर-आधारित संपत्तियों की मांग स्पष्ट रूप से बढ़ रही है।

पारंपरिक घरेलू शेयरों और एफडी के बजाय, अब वैश्विक सूचकांकों, यूरोप के मिडकैप और अमेरिकी प्रौद्योगिकी फंडों पर केंद्रित विदेशी इक्विटी फंडों में निवेश पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। हालांकि, वे सलाह देते हैं कि विदेशी इक्विटी में आकर्षण भले ही अधिक हो, लेकिन डालर-आधारित फिक्स्ड इनकम के फायदेमंद अवसरों को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। यह प्रवृत्ति भारतीय निवेशकों की बढ़ती वैश्विक सोच और अपनी संपत्ति को मुद्रा जोखिमों से बचाने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

न्यूज ब्रीफ

एमएससीआई ईएम टाप-10 से भारतीय कंपनियां बाहर, दो दशकों में पहली बार

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी वैश्विक शेयरों में असाधारण तेजी के बीच भारतीय कंपनियों को एक बड़ा झटका लगा है। पिछले दो दशकों में यह पहली बार है जब एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स (ईएम) इंडेक्स के शीर्ष 10 शेयरों में कोई भी भारतीय कंपनी शामिल नहीं है। यह ऐतिहासिक बेदखली एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे भारतीय दिग्गजों को इस प्रतिष्ठित सूची से बाहर धकेलने वाली एआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्र के शेयरों की आंधी का परिणाम है। यह बदलाव वैश्विक पूंजी प्रवाह के बदलते रुझान और उभरते बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क के रूप में काम करने वाले इस इंडेक्स में भारत के घटते प्रभाव को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सबसे बड़े शेयर, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल), मार्च में क्रमशः सातवें और आठवें स्थान से खिसककर अब 11वें और 12वें स्थान पर आ गए हैं। इस गिरावट के कारण इंडेक्स में उनका व्यक्तिगत भार 0.8 प्रतिशत से भी नीचे चला गया है। एमएससीआई ईएम इंडेक्स, जो 700 अरब डालर से अधिक के पैसिव फंडों के लिए एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क है और एक्टिव फंडों द्वारा भी बारीकी से देखा जाता है, में भारत की यह कमजोर स्थिति चिंता का विषय है। आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अन्य देशों में एआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बढ़ती दिलचस्पी ने घरेलू कंपनियों को शीर्ष 10 से बाहर कर दिया है, जिससे निवेश नीतियों पर गहरा असर पड़ेगा। इस नाटकीय बदलाव के पीछे प्रमुख कारण एआई और प्रौद्योगिकी आधारित बाजारों जैसे ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन का शानदार प्रदर्शन है। जहां एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर अपने उच्चतम स्तर से क्रमशः लगभग 26 फीसदी और 20 फीसदी नीचे कारोबार कर रहे हैं, वहीं ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी), सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी एआई-संबंधित कंपनियों के शेयरों में क्रमशः 48 फीसदी, 147 फीसदी और 194 फीसदी की जोरदार उछाल देखी गई है।

महिंद्रा स्कार्पियो बिक्री के मामले में शीर्ष स्थान पर

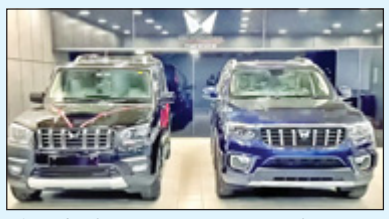

नई दिल्ली। बीते मई महिने में महिंद्रा कंपनी को ग्राहकों का जबरदस्त रिस्पान्स मिला है। माडल-वार बिक्री की बात करें तो महिंद्रा स्कार्पियो ने हमेशा की तरह शीर्ष स्थान पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। स्कार्पियो ने मई में कुल 15,774 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 10 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी है, जब यह आंकड़ा 14,401 यूनिट्स का था। बिक्री की इस सूची में दूसरे स्थान पर महिंद्रा थार रही, जिसने 4 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 10,787 यूनिट्स की बिक्री की। तीसरे नंबर पर महिंद्रा एक्सयूवी700 रही, जिसने 45 प्रतिशत की प्रभावशाली सालाना वृद्धि के साथ कुल 9,338 यूनिट्स की बिक्री की। चौथे स्थान पर महिंद्रा बोलेरो ने 8,933 यूनिट्स एसयूवी की बिक्री दर्ज की। हालांकि, कुछ माडलों की बिक्री में गिरावट भी देखी गई।

जिम्नी के दो नए वेरिएंट आलग्रिप प्लस और राइनो प्लस लांच

नई दिल्ली। मलेशिया में सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय आफ-रोड एसयूवी जिम्नी के दो नए वेरिएंट लांच किए है। इनके नाम है आलग्रिप प्लस और राइनो प्लस। सुजुकी जिम्नी आलग्रिप प्लस को स्टैंडर्ड जिम्नी के मुकाबले अधिक प्रीमियम और सुरक्षित बनाया गया है। ये दोनों नए वेरिएंट 3-डोर जिम्नी के साथ पेश किए गए हैं और इनमें स्टाइलिंग, फीचर्स तथा सेफ्टी के मामले में कई बेहतरीन अपग्रेड देखने को मिलते हैं। इसमें पावर-फोल्डिंग ओआरवीएम्स दिए गए हैं जिनमें हीटिंग फंक्शन भी मिलता है। एसयूवी में 9-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम लगाया गया है, जो एप्पल कारप्ले और एंड्राइड आटो वायरलेस कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी के लिए आलग्रिप प्लस में एमएमवेव रडार, मोनोक्युलर कैमरा और रिवर्स कैमरा जैसे फीचर्स के साथ ड्यूल सेंसर ब्रेक सपोर्ट-2, लेन डिपार्चर वार्निंग, लेन डिपार्चर प्रिवेंशन, वीविंग अलर्ट, आटोमैटिक हाई बीम, इमरजेंसी स्टाप सिग्नल और साइड व कर्टेन एयरबैग्स जैसे एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इसमें आटोमैटिक एलईडी हेडलाइट्स और हेडलैंप वाशर भी मिलते हैं।

सेबी ने ओयो समेत 5 कंपनियों को दिया आब्जर्वेशन लेटर, अब ला सकेंगी आईपीओ

नई दिल्ली

देश का प्राइमरी मार्केट एक बार फिर रफ्तार पकड़ता हुआ नजर आने लगा है। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) ने अलग-अलग सेक्टर की पांच कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए आब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। यानी सेबी की ओर से इन कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है।

सेबी ने इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट, एग्रीकल्चर, हास्पिटेलिटी, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दी है। इन कंपनियों में हास्पिटेलिटी सेक्टर में काम करने वाली ओयो की पैरेंट कंपनी आरवेल स्टेज, रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विगालैंड डेवलपर्स, अफार्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस, एग्रीकल्चर सेक्टर की कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज और इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी मेहता हाइटेक इंडस्ट्रीज हैं।

सबसे पहले बात करते हैं ओयो की पैरंट कंपनी आरवेल स्टेज की। यह कंपनी हास्पिटैलिटी सेक्टर में टेक्नोलाजी बेस्ड प्लेटफार्म चलाती है। कंपनी होटल, वेकेशन होम्स और अन्य रेसिडेंशियल सर्विस के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बन चुकी है। सेबी ने कंपनी को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने के लिए आब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। कंपनी की योजना अपने आईपीओ के जरिए कारोबार बढ़ाने के लिए फंड जुटाने की है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी अपना वैल्यूएशन बढ़ा कर 66 हजार करोड़ तक ले जाना चाहती है। कुछ साल पहले तक लगातार नुकसान का सामना कर रही यह कंपनी पिछले कुछ वर्षों से मुनाफा कमाने की राह पर चल पड़ी है, जिसकी वजह से इसके आईपीओ को लेकर प्राइमरी मार्केट में लोगों के बीच काफी उत्साह बना हुआ है।

इसी तरह केरल की रियल एस्टेट कंपनी विगालैंड डेवलपर को भी मार्केट रेगुलेटर सेबी ने आईपीओ लाने के लिए आब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। आईपीओ के जरिए कंपनी 250 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ में सिर्फ नए शेयर जारी किए जाएंगे। कोई आफर फार सेल नहीं होगा। आईपीओ के जरिए मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने

रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने, नई जमीन की खरीदारी करने और आम कारपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में करेगी।

सेबी ने अफार्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस को भी आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी प्राइमरी मार्केट से 3,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ में 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 1,500 करोड़ रुपये के शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे। आफर फार सेल विंडो के जरिए कंपनी का मौजूदा शेरधारक मैंगो क्रेस्ट इन्वेस्टमेंट अपनी हिस्सेदारी कम करेगा। आईपीओ में नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल बेस को मजबूत करने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगी।

एग्रीकल्चर साल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज को भी सेबी ने आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से आफर फार सेल के रूप में होगा। इस आईपीओ के तहत कंपनी के मौजूदा शेरधारक 3.61 करोड़ इक्विटी शेयर की बिक्री करेंगे। एडवांटा एंटरप्राइजेज हाइब्रिड बीज और फसल की कटाई के बाद की प्रोसेसिंग से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराती है।

इसी तरह इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी मेहता हाइटेक इंडस्ट्रीज को भी सेबी ने आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी आईपीओ के तहत 62 लाख नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर और वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने तथा अन्य कार्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। यह कंपनी कार्बन डाइआक्साइड लेजर सिस्टम, सीएनसी राउटर, फाइबर लेजर मशीन और डिजिटल प्रिंटर जैसे इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट का प्रोडक्शन करती है।

कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजना पर हैदराबाद में गुरुवार को होगा रोड शो

नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय 11 जून को हैदराबाद में अपना अगला रोड शो का आयोजन करेगा। नई दिल्ली में कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स पर सफल रोड शो से मिली मजबूत गति को आगे बढ़ाते हुए यह रोड शो किया जायेगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी हैदराबाद रोडशो में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक यह रोडशो नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचारों, निवेश के अवसरों और परियोजना कार्यान्वयन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। ये नीति निर्माताओं, उद्योगपतियों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और निवेशकों को एक साथ एक मंच लाएगा ताकि, देशभर में कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए सहयोगात्मक मार्ग ढूंढे जा सकें। इस आयोजन से हितधारकों की सहभागिता को और मजबूत करने, रणनीतिक साझेदारियों को सुगम बनाने और भारत में कोयला गैसीकरण के लिए एक सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण में सहयोग मिलने की आशा है। इन पहलों के माध्यम से कोयला मंत्रालय नवाचार को बढ़ावा देने, उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, संसाधनों के सतत उपयोग और औद्योगिक विकास के द्वारा आत्मनिर्भर भारत के सरकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, अपर सचिव सनोज कुमार झा, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, कोयला एवं लिग्नाइट कंपनियों के प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी प्रदाता, उद्योग संघ, निवेशक और अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित रहेंगे।

रेडमी की नई टर्बो सीरीज पहली बार होगी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रेडमी अपनी नई टर्बो सीरीज को पहली बार लान्च करने जा रही है। भारत में रेडमी टर्बो 5 नामक यह स्मार्टफोन 16 जून को लान्च होगा। लान्च से पहले रेडमी ने फोन के कई महत्वपूर्ण फीचर्स का खुलासा किया है, यह अमेजन इंडिया के माध्यम से बेचा जाएगा। इसे उन ग्राहकों के लिए डिजाइन किया गया है जो महंगे प्रीमियम फ्लैगशिप फोन पर ज्यादा खर्च किए बिना फ्लैगशिप जैसी परफार्मेंस चाहते हैं। कंपनी ने पुष्टि की है कि रेडमी टर्बो 5 में मीडियाटेक डायमेंसिटी 8500 अल्ट्रा प्रोसेसर मिलेगा, यही चिपसेट शाओमी 17टी जैसे प्रीमियम स्मार्टफोन में भी दिया गया है। रेडमी का दावा है कि यह फोन अनटूटू बेंचमार्क में 23 लाख से अधिक स्कोर हासिल करता है, जो वीवो वी70 और ओप्पो रेनो 15 से बेहतर परफार्मेंस का संकेत देता है। फोन में एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज का सपोर्ट मिलेगा, कंपनी ने 24 जीबी तक रैम सपोर्ट की भी पुष्टि की है, जिसमें वर्चुअल रैम भी शामिल होगी। डिस्प्ले के मोर्चे पर, 6.59 इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है, जिसमें 1.5के रेजोल्यूशन, 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3,500 निट्स पीक ब्राइटनेस होगी।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूति दर्ज की गई। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,40,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने

की कीमत 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमले की खबर की वजह से ग्लोबल मार्केट में एक बार फिर निराशा का माहौल बन गया है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करते रहे। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली होती हुई नजर आ रही है।

ईरान द्वारा अमेरिका के अपाचे चापर को मार गिराने और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करने की खबर की वजह से वाल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान दबाव का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,386.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 250.84 अंक यानी 0.97 प्रतिशत टूट कर

25,678.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 106.44 अंक यानी 0.21 प्रतिशत फिसल कर 50,765.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 145.87 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 10,227.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 183.16 अंक यानी 0.75 प्रतिशत लुढ़क कर 24,433.06 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 8,203.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। एशियाई बाजार में गिफ्ट निफ्टी 145.50 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,330 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 86.12 अंक यानी 1.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,832.77 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 886.63 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 64,530 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.04 प्रतिशत फिसल कर 4,970.90 अंक के स्तर तक गिर गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 348.01 अंक यानी 4.30 प्रतिशत फिसल कर 7,748.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 614.16 अंक यानी 1.37 प्रतिशत टूट कर 44,090.28 अंक के स्तर पर आ गया है।